Roll No.: .....

Total No. of Questions : 5] [Total No. of Printed Pages : 1

W-3440

M.A.(Fourth Semester) Examination, June-2020

SANSKRIT

Paper - 402

Roopak

Time : Three Hours

Maximum Marks : 85 (For Regular Students) ***Maximum Marks : 100 (For Private Students)***

Minimum Pass Marks : 29 ***Minimum Pass Marks : 34***

नोट : सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

Note : All questions are **compulsory.**

इकाई–I

Q.1. निम्नलिखित श्लोकों की व्याख्या कीजिए। 17/20

अ) सुखं हि दुखान्यनुभूयते शोभते
धनान्धकारेष्वित दीप दर्शनम्।
सुखात्तु यो याति नरो दरिद्रतां
धृतः शरीरेण मृतः स जीवति।।

ब) द्रव्यं लब्धं द्यूतेनैव दारा मित्रं द्यूतेनैव।
दत्तं भुक्तं द्यूतेनैव सवं नष्टं द्यूतेनैव।।

इकाई–II

Q.2. निम्नलिखित पर सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 17/20

अ) लाक्षागृहानलविषान्न सभाप्रवेशैः
प्राणेषु वित्तनिचयेषु चनः प्रहृत्य।
आकृष्य पाण्डववधूपरिधानकेशान्स्वस्था
भवन्ति मयि जीवति धार्तराष्ट्राः।।

ब) स्त्रीणां हिसाहचर्याद् भवन्ति चेतांसिभर्तृसदृशानि।
मधुरापि हिमूर्च्छयते विषविटपि समाश्रिता वल्ली।।

इकाई–III

Q.3. नाटककार शूद्रक द्वारा प्रणीत मृच्छकटिक में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए। 17/20

इकाई–IV

Q.4. अ) निम्नांकित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 17/20
द्वीपादन्यस्मादपि मध्यादपि जलनिधेर्दिशोऽप्यन्तात्।
आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखी भूतः।।

ब) रत्नावली नाटिका के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए।

इकाई–V

Q.5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए। 17/20

i) उत्तररामचरितम्

ii) अभिज्ञानशाकुन्तलम्